an>

Title: Regarding citizenship issues of refugees from West Pakistan who have been living in Jammu & Kashmir.

श्री जुगल किशोर (जम्मू): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा सदन में उठाने का मौका दिया, धन्यवाद। मैं उन लाचार और बेबस लोगों की बात करूंगा जो 70 वर्षों से दर-बदर की ठोकर खा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में वेस्ट पाकिस्तान से आए हुए रिफ्यूजी जो 70 वर्षों से जम्मू-कश्मीर में रह रहे हैं …(व्यवधान) लेकिन आज तक उनको नागरिकता प्रदान नहीं की गई है। आप नागरिकता की बात रहने दीजिए उन बच्चों को कॉलेजों में पढ़ाई भी नहीं करने दी जाती, वहां की सुविधाएं और छोटी-मोटी नौकरियां या कोई साधन उनको नहीं दिया जाता। …(व्यवधान) मेरा आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि वेस्ट पाकिस्तान के जो रिफ्यूजी जम्मू-कश्मीर में रह

रहे हैं उनको रेलवे, दूसरी सेंट्रल गवर्नमेंट की एजेंसी और हर एजेंसी में उनको प्रायोरिटी दी जानी चाहिए। उनके बच्चों को प्रधानमंत्री स्कॉलरशिप में भी प्रायोरिटी दी जानी चाहिए ताकि वे बच्चे पढ़ सकें और अपनी रोजी-रोटी भी कमा सकें और मान-सम्मान के साथ जम्मू-कश्मीर में रह सकें। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और श्री निशिकान्त दुबे को श्री जुगल किशोर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Shri Vincent Pala, I called your name earlier, but you were not in the House at that time.